LOGGING TRAINING CENTRE IN MADHYA PRADESH

642. SHRI V. M. CHORD1A : WiH the Minister of FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION be pleased to state

(a) whether the site for the location of logging training centre in Madhya Pradesh has been considered and finalised; and

(b) if so, the details of the same ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) and (b) For the Central Zone including Madhya Pradesh it has been decided to locate the Logging Training Centre at Chandrapur in Maharashtra State.

बागबानी कार्यक्रम

643. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने चौथी योजना के लिए कोई बागबानी कार्यक्रम तैयार किया है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

^HORTICULTURE PROGRAMME

643. SHRI B. N. BHARGAVA : Will the Minister of FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION be pleased to state :

(a) whether Government have chalked out any Horticulture Programme for the Fourth Plan; and

(b) if so, what are the details thereof?]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० डी० मिश्र): (क) जी हां ।

(ख) चौथी योजना के लिए बागबानी विकास सम्बन्धी जो योजनाएं बनाई गई हैं उनमें ये शामिल हैं :—विशेषतया चुने हुए क्षेत्रों में देशीय खपत हेतु तथा निर्यात बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण फलों के उत्पादन की वृद्धि करना, मालियों को प्रशिक्षण देना, प्रमाणित पौद-सामग्री सप्लाई करने के लिए संतति फलोद्यानों की स्थापना और कृषि-बागबानी सोसायटी बनाना । सब्जियों तथा कन्द फलों, जिनमें आलू तथा टेपिओका भी शामिल है, के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी योजनाएं बनाईगई हैं । फलों, सब्जियों तथा कन्द फसलों सम्बन्धी अनुसन्धान को तीव्र करने के लिए अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाएं बनाई गई हैं । मैसूर राज्य के हसरघाट में बागवानी की एक संस्थान की स्थापना के लिए प्रस्ताव है ।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION (SHRI S. D. MISRA) :

(a) Yes.

(b) Schemes of horticulture development drawn up for the Fourth Plan include increasing production of important fruits in specially selected areas for internal consumption as well as for pushing up of exports, training of gardeners, establishment of progeny orchards for the supply of certified planting material, and building up of Agri-Horticultural Societies. Schemes for stepping up production of vegetables and tuber crops, including potato and tapioca, have also been formulated. For intensification of research on fruits, vegetables and tuber crops all-India co-ordinated project* have been drawn up. An Institute of Horticulture is proposed to be established at Hmsarghata in Mysore State.]

खाद्यान्नों का उत्पादन, आयात तथा वितरण

644. **श्री रामकुमार भुवालका** : क्या खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1964-65 के वर्ष में देश में कितने खाद्यान्न का उत्पादन हुआ और कितना विदेशों से आयात किया गया; और

†[ ] English Translation